क्र. संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	विषय का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	निर्धारित स्थान/सीट	योग्यता
1.	आचार्य	ज्योतिष	2 वर्ष	35	शास्त्री/ बी.ए./ समकक्ष

- **भविष्य में रोजगार के अवसर –**
  1. प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में प्रवाचक के रूप में अवसर ।
  2. निजी ज्योतिष अनुसन्धान केन्द्र आरम्भ करने का अवसर ।
  3. वास्तु एवं ज्योतिष परम्परा अनुसन्धान के विभागों में रोजगार के अवसर ।
  4. पांरम्परिक संस्कृत गुरुकुलों में ज्योतिष आचार्य के पद पर कार्य करने का अवसर ।
  5. ज्योतिष अध्ययन से संबन्धित स्वतन्त्र संस्थाओं में निदेशक के रुप में कार्य करने का अवसर ।
  6. सनातन सभ्यता एवं विदेशों में भारतीय संस्कृति एवं पुरातन ज्योतिष परम्परा को प्रसारित करने के क्षेत्र में अवसर ।
  7. आचार्य एवं बी. एड. के बाद विद्यालय में संस्कृत अध्यापक एवं प्रवक्ता के रूप में कार्य करने की अर्हता ।
  8. टी.जी.टी., पी.जी.टी. तथा भारतीय सेना में धर्मगुरु (J.C.O.) बनने का अवसर ।
  9. नेट एवं पीएच्. डी. करके महाविद्यालय/ विश्वविद्यालयों में सहायक आचार्य (Assistant Professor) बनने का अवसर ।